

INTERVIEW

व्यावहारिक शिक्षा पर रहा है सदैव फोकस



डॉ. रोशन लाल रैना
कुलपति, जेकेएलयू

डॉ. रैना की शोध में योगदान की 20 वेस्टसेलिंग किताबें, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पूर्व-समीक्षा पत्रिकाओं में 75 शोध पत्र और राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में 125 पत्र प्रस्तुत किए गए हैं...

जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय और इसके कुलपति के तौर पर आपका अनुभव कैसा रहा है ?

जेकेएलयू में, छात्र प्रयोगात्मक तरीके से शिक्षा प्राप्त करते हैं और अपने कक्षा के ज्ञान को वास्तविक जीवन की स्थितियों में लागू करते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो उन्हें संवाद करने, सहयोग करने, गंभीर रूप से सोचने और रचनात्मक रूप से समस्याओं को हल करना सिखाती है। हमारे 30 से अधिक औद्योगिक संगठनों से पार्टनरशिप इसका प्रतिबिंब है।

हमारे पास उद्योग के साथ प्रैक्टिस स्कूल, इंटरनशिप और विभिन्न पार्टनर भी हैं जहां हम उद्योग पेशेवरों के साथ नवीनतम तकनीक और प्रथाओं के साथ प्रशिक्षित करने के लिए काम करते हैं और उनसे चुनौतियों के बारे में भी सीखते आज की औद्योगिक जरूरत के अनुरूप हैं।

क्या आप जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में बताना चाहेंगे ?

हमने उद्योग के अनुरूप पाठ्यक्रम में न केवल पाठ्यक्रम के डिजाइन में बल्कि इसके वितरण, आकलन और मूल्यांकन में उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों को शामिल किया है। हमें विश्वास है कि जो हम शिक्षा प्रदान करते हैं वह समकालीन है और आज की आधुनिक जरूरत के अनुरूप है। हम ओलिन कॉलेज, बोस्टन, यूएसए के साथ काम कर रहे हैं - ये दुनिया भर में इंजीनियरिंग शिक्षा में प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा में अग्रणी हैं, हमारे पाठ्यक्रम को प्रयोगिक अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

अनुभवी शिक्षण कार्यक्रम और उसमें उपलब्ध यूएसपी के माध्यम से छात्रों के विकास पर आपके विचार क्या हैं ?

जेकेएलयू में पाठ्यक्रम और अध्यापन का तरीका हमारा सबसे बड़ा यूएसपी है। हमने छात्रों को भविष्य के काम और व्यापार का सामना करने हेतु तैयार करने के लिए हमारे पाठ्यक्रम को दोबारा डिजाइन किया गया है। बदलती तकनीक और इनोवेशन के कारण ये काफी उपयुक्त हो गए हैं। यहां, हम एक आवेदन आधारित दृष्टिकोण पर केंद्रित हैं जहां छात्र अनुभव से सीखते हैं। एक बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से, जेकेएलयू के छात्र समस्या हल करने और अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि वे सीखना सीखते हैं। पाठ्यक्रम का ध्यान नवीनतम तकनीकी प्रगति (रोबोटिक्स, आईओटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इत्यादि) और डिजाइन थिंकिंग एवं क्रिटिकल थिंकिंग के रणनीतिक एकीकरण की दिशा में स्थानांतरित हो रहा है।

भारत में इंजीनियरिंग शिक्षा पर आपके विचार क्या हैं ? हाल के वर्षों में यह कैसे बदल गया ? इस दृष्टिकोण के साथ छात्रों को अपने करियर को किस प्रकार से आकार देना चाहिए ?

भारत में इंजीनियरिंग क्षेत्र ऐसा है जिसमें अवसरों की कोई कमी नहीं है। हम भी आज के बदलते परिदृश्य के अनुसार स्टार्टअप, आईटी, इत्यादि क्षेत्रों के युवाओं को शिक्षित - प्रशिक्षित करने पर फोकस करते हैं। हमारा उद्देश्य 'जाब रेडी' के साथ-साथ 'लाइफ रेडी' भी करना है।

हम उद्योग पेशेवरों के साथ मिलकर नवीनतम तकनीक और पद्धतियों को अपनाते हुए युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए काम करते हैं...